06/07/2020

Educational Psychology

Paper III

B.A. II (Hons.)

Define Counselling.

परामर्श की परिभाषा दें।

जब किसी व्यक्ति के समक्ष कोई समस्या उत्पन्न होती है तो वह उस समस्या के निदान हेतु दूसरे लोगों से परामर्श लेता है। अथवा, कोई व्यक्ति किसी दूसरे की समस्या समाधान हेतु परामर्श देता है। अर्थार्थ, परामर्श एक प्रकार का सुझाव है जो किसी व्यक्ति को उसकी समस्या समाधान के लिए दूसरा व्यक्ति देता है। परन्तु शिक्षा मनोविज्ञान के अंतर्गत वैसे व्यक्तियों के सुझाव को परामर्श की संज्ञा देते हैं जो उस खास क्षेत्र में विशेष रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किये हुए हैं और व्यक्ति के सामने उत्पन्न हुई समस्याओं के निदान हेतु अपना सुझाव प्रस्तुत करते हैं। इस तरह स्पष्ट है की सुझाव में कम-से-कम दो व्यक्तियों का होना अनिवार्य है। परामर्श देने वाला तथा परामर्श ग्रहण करने वाला जो व्यक्ति परामर्श देने का काम करता है वह परामर्श ग्रहण करने वाले व्यक्ति की समस्याओं को भली-भांति समझने का प्रयास करता है और उस समस्या पर तर्क-वितर्क के माध्यम से उचित, परामर्श देता है जो समस्या समाधान में सहायक होता है। परामर्श के अर्थ को स्पष्ट करते हुए अलग-अलग मनोवैज्ञानिकों में इसकी परिभाषा अपने ढंग से दी है।

Robinson ने परामर्श की परिभाषा देते हुए कहा है - "परामर्श शब्द दो व्यक्तियों के संपर्क की उन सभी स्थितियों का समावेश करता है जिनमें एक व्यक्ति को उसके स्वयं के एवं वातावरण के बीच प्रभावशाली अभियोजन प्राप्त करने में सहायता की जाती है।"

Jones के शब्दों में "साक्षात्कार की तरह परामर्श एक व्यक्ति का अन्य से आमने-सामने का सम्बन्ध होता है। परामर्श निर्देशन की विधि है, जो व्यक्ति को सफल तथा संतोशजनक जीवन यापन करने के लिए अपने आप को अपनी क्षमताओं और कुशलताओं को अपने वातावरण को और अपने अवसरों और संभावनाओं को समझने में सहायता देने का प्रयत्न करती है।"

Myers ने काम शब्दों में ही इसकी अच्छी परिभाषा दी है। उनके अनुसार- "परामर्श का तात्पर्य दो व्यक्तियों के संपर्क से है, जिसमे एक को किसी प्रकार को सहायता प्रदान की जाती है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित बातें स्पष्ट होती हैं-

1. परामर्श में दो व्यक्तियों की आवश्यकता होती है, एक परामर्श दाता तथा दूसरा परामर्श ग्रहणकर्ता ।
2. इसके माध्यम से व्यक्ति और वातावरण के बीच प्रभावशाली अभियोजन में सहायता मिलती है।

3. परामर्श से व्यक्ति की आवश्यकताओं, प्रेरणाओं और क्षमताओं की जानकारी होती है।
4. परामर्श में पारस्परिक तर्क-वितर्क एवं विचारों का आदान-प्रदान होता है।
5. यह हमेशा व्यक्तिगत होता है।
6. परामर्श विशेष रूप से मानव के संबंधों के भावनात्मक पक्षों को स्पष्ट करता हैः।
7. परामर्श दाता व्यक्ति की समस्याओं का समाधान नहीं करता है। व्यक्ति को समाधान करने के योग्य बनाता है।

(... to be continued)

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City

WhatsApp No. – 9334067986

Email-drhenahussain@gmail.com